## लखनऊ विश्वविद्यालय
## University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

# University in News on 13 March 2023

**AMAR UJALA MY CITY PAGE 5**

# पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के रहस्य खोलेगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

### गणित व खगोलशास्त्र विभाग की शिक्षक को मिला है प्रोजेक्ट

लखनऊ। लविवि का गणित एवं खगोलशास्त्र विभाग पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के रहस्य खोलने के साथ ही अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावनाएं तलाशेगा। इसके लिए प्रदेश के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग की ओर से विभाग की डॉ. अलका मिश्रा को विशेष प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट को पूर्ण करने की अवधि तीन वर्ष है। इसके लिए डॉ. अलका मिश्रा को 10.44 लाख रुपये मिलेंगे।

डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट खगोल क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों में महत्वपूर्ण क्षेत्रों और बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। इसका विषय- स्टडी ऑफ रिएक्शन फिजिबिलिटी एंड इफेक्ट ऑफ मॉलेक्यूलर कैविटीज ऑन रिएक्शन्स इन कॉमेट्री एटमॉसफेयर एंड इंटरसेलर स्पेस इन सर्च ऑफ एक्सट्राटेरेस्ट्रियल लाइफ, है। इस प्रोजेक्ट के तहत होने वाले अनुसंधान से इंटरस्टेलर मीडियम ( तारों के मध्य पाया जाने वाला स्थान अर्थात अंतरतारकीय स्थान ) में बायोमॉलिक्यूलस के निर्माण की अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जाएगा। इनटरस्टेलर माध्यम में इन बायोमोलेक्यूल्स की उपस्थिति से अन्य ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति की संभावनाओं और पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति की प्रारंभिक अनसुलझी कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में प्रोजेक्ट की संख्या और बजट दोनों में काफी बढ़ोतरी हुई है। डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शोध कार्य शिक्षण प्रक्रिया का अहम अंग है जिसमें स्नातक छात्र-छात्राओं को भी जोड़ा जाना है।

### चार पदार्थ से तय होता है जीवन का आधार

डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि किसी भी ग्रह पर जीवन है या नहीं, इसके लिए मुख्य रूप से चार पदार्थ का अध्ययन किया जाता है। इसमें कॉर्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और नाइट्रोजन शामिल हैं। यह शोध मुख्य रूप से थ्योरी आधारित है। इसमें देखा जाएगा कि किन ग्रहों पर ये पदार्थ पाए जा रहे हैं। उनमें क्या बदलाव देखा जा रहा है।

# लविवि : इसी माह जारी हो सकते हैं प्रवेश के लिए फॉर्म

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए, बीएससी और बीकॉम समेत अन्य स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश फॉर्म इस महीने के अंत तक आने की उम्मीद है। यूपी बोर्ड परीक्षाएं खत्म होने और अन्य बोर्ड की परीक्षाएं अंतिम दौर में होने की वजह से लविवि प्रशासन ने अपना प्रवेश कार्यक्रम तैयार कर लिया है। पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भी जारी हो जाएंगे।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन फॉर्म जारी करने की पूरी तैयारी हो चुकी है। जल्द ही आवेदन फॉर्म जारी कर दिए जाएंगे। विवि में बीए, बीएसी और बीकॉम समेत अन्य स्नातक पाठ्यक्रमों की चार हजार से ज्यादा सीटें हैं। इन सीटों पर दाखिले प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किए जाते हैं। इस समय विवि में नई शिक्षा नीति के हिसाब से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को अपडेट करने की प्रक्रिया चल रही है। माना जा रहा है कि इसी साल से चार वर्षीय स्नातक के नए पाठ्यक्रम में आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

### यूपी बोर्ड की परीक्षाएं संपन्न होने के बाद लविवि में तेज हुई तैयारी

### पदक सूची पर आपत्ति 16 तक

लखनऊ। श्री जय नारायण पीजी कॉलेज के संस्थापक दिवस समारोह के लिए एक अस्थायी पदक सूची जारी की गई है। प्राचार्या मीता साह ने बताया कि यह सूची महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस सूची में जिन छात्र-छात्राओं को कोई आपत्ति है, वह अपना प्रत्यावेदन 16 मार्च से पहले उपलब्ध करा सकते हैं। सभी आपत्तियां असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र अवस्थी के व्हाट्सएप नंबर 9918722308 पर उपलब्ध करानी होंगी। 16 मार्च के बाद कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। (संवाद)

### लोहिया नर्सिंग भर्ती परीक्षा का रिजल्ट 24 घंटे के अंदर घोषित

लखनऊ। लोहिया संस्थान की नर्सिंग भर्ती परीक्षा का परिणाम 24 घंटे के अंदर ही रविवार रात जारी कर दिया गया। संस्थान प्रशासन का कहना है कि चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। निदेशक डॉ. सोनिया नित्यानंद ने बताया कि शनिवार को प्रदेश के 33 केंद्रों में नर्सिंग भर्ती परीक्षा हुई। इसमें चार हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे। करीब 4300 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दिया था। इससे पहले देश के 92 केंद्र पर परीक्षा हुई थी। इसमें 18 केंद्र पर गड़बड़ी मिलने पर परीक्षा निरस्त हुई थी। निदेशक ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि शैक्षिक व अनुभव प्रमाण पत्रों की जांच के बाद नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। (संवाद)

### यूनेस्को के लिए ऑनलाइन कोर्स विकसित करेंगी डॉ. किरणलता डंगवाल

लखनऊ। लविवि के शिक्षा संकाय विभाग की डॉ. किरण लता डंगलवाल यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) के लिए हरियाणा की डॉ. कविता बत्रा के साथ कोर्स विकसित करेंगी। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस मूक की समन्वयक कोलकाता से प्रो. सुभा दास मोलिक व मेंटर इसहाक मुलोलानी हैं, जो कनाडा में रेजिना विश्वविद्यालय से हैं। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए डॉ. डंगवाल का चयन उनकी उत्कृष्ट विद्वता, अनुसंधान और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डॉ. डंगवाल ने इस उपलब्धि का श्रेय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को दिया है। (माई सिटी रिपोर्टर)



एलयू में आयोजित समारोह में मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने अधिकारियों और साहित्यकारों को सम्मानित किया।

**I-NEXT PAGE 4**

### डॉ. अल्का को रिसर्च प्रोजेक्ट अवार्ड

LUCKNOW: एलयू की खगोल शास्त्र की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अल्का मिश्रा को यूपी के विज्ञान तथा तकनीक विभाग की ओर से रिसर्च प्रोजेक्ट अवार्ड दिया गया है. डॉ. अल्का को यह अवार्ड स्टडी ऑफ रिएक्शन फीसेबिलिटी एंड इफेक्ट ऑफ मॉलीक्यूलर कैविटीज ऑन रिएक्शन इन कॉमेटरी एटमॉसफेयर एंड इंटरस्टेलर स्पेस इन सर्च ऑफ एक्स्ट्रेटेरेसटियल लाइफ विषय पर अनुसंधान के लिए मिला है.

**NBT PAGE 6**

# तारों के बीच क्या है, राज तलाशेगा एलयू

■ एनबीटी सं, लखनऊ : उत्तर प्रदेश विज्ञान व तकनीक विभाग की ओर से एलयू के खगोल शास्त्र विभाग की असोसिएट प्रफेसर अल्का मिश्रा को एक प्रॉजेक्ट दिया गया है। इसके तहत तारों के बीच पाए जाने वाली जगह में बायोमॉलिक्यूलस के बनने की अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जाएगा। प्रो. अल्का मिश्रा के मुताबिक, इन बायोमॉलिक्यूल्स के होने से अन्य ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति की संभावनाओं और पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति की अनसुलझी कड़ियों को जोड़ने में मदद मिलेगी। यह प्रॉजेक्ट तीन वर्ष का होगा।

### डॉ. किरण लता डंगवाल का चयन

एलयू के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. किरण लता डंगवाल को यूनेस्को का अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स के डेवलपर के रूप में चयन किया गया है. यह कार्यक्रम यूएन के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मुक्त शिक्षा की क्षमता का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है. डॉ. डंगवाल इस एमओओसी को हरियाणा की डॉ. कविता बत्रा के साथ विकसित करेंगी.

**JAGRAN CITY PAGE I**

### लवि में पुस्तक का विमोचन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में रविवार को मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने 'जी-20 इश्यूज एंड आपरच्युनिटीज' पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक का संपादन अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनोज अग्रवाल ने किया है। पुस्तक का लेखन छह प्रोफेसरों ने किया है। यहां आइएएस जितेंद्र कुमार, डा. अखिलेश मिश्रा, कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी मौजूद रहे।

# लवि : बनेगा स्टूडियो, तैयार होंगे पाठ्यक्रम के आडियो व वीडियो

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय का शिक्षा विभाग स्कूली शिक्षा के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए प्रिंट से लेकर ई-कंटेंट तैयार करेगा। इसके लिए एजुकेशनल मीडिया जनरेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। एक स्टूडियो भी बनेगा, जिसके माध्यम से कोर्स कंटेंट के आडियो वीडियो बनाए जाएंगे। पढ़ाने के नए नए नवाचारों में शिक्षकों को जानकारी देने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाएंगे। इसके लिए विभाग में एक प्रिपेटरी सेल बनाई जाएगी। शिक्षा विभाग ने अपने विजन के तहत प्रस्ताव बनाकर डीन स्टूडेंट वेलफेयर को भेजा है।

विभाग की शिक्षिका डा. आकांक्षा सिंह ने बताया कि सेंटर के माध्यम से पढ़ाने के लिए आडियो वीडियो कंटेट तैयार किए जाएंगे। पुराने शिक्षकों को जोड़कर क्रिएशन आफ पूल बनाया जाएगा। इसके साथ-साथ बीए व एमएड के विद्यार्थियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा, केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, यूजीसी नेट, जेआरएफ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराएगा। इसके लिए एक प्रिपरेटरी सेल भी बनेगी।

डीन एजुकेशन प्रोफेसर तृप्ता त्रिवेदी ने बताया कि कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत विजन प्लान में बस में स्कूल शुरू करने की योजना भी है। सरकार से मंजूरी मिली गई तो रोडवेज से बस की मांग की जाएगी।

### बनेंगे विषयों के क्लब

पाठ्यचर्या में एनईपी के तहत डिजिटल शिक्षक पर जोर दिया गया है। उसी आधार पर प्लान तैयार किया गया है। लिटरेचर क्लब, डिबेट क्लब, म्यूजिक क्लब, स्पोर्ट्स, साइंस, मैथ्स के क्लब बनाए जाएंगे। इसमें एक्टिविटी होंगी, जिससे बेहतर तरीके से विषय को पढ़ाया जा सके। इवेंट कैलेंडर भी तैयार किया जाएगा। विद्यार्थियों को पढ़ाने के साथ ही एक्टिविटी भी सिखाई जाएगी।

# शहरों में तापमान कम करने पर लवि करेगा अध्ययन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) अब यूपी के स्मार्ट सिटी के शहरी क्षेत्रों में बढ़ते तापमान को कम करने पर अध्ययन करेगा। इसके लिए इंडियन काउंसिल फार सोशल साइंस रिसर्च ने विधि विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. वरुण छाछर को 15 लाख रुपये का शोध प्रोजेक्ट दिया है। दो साल के इस प्रोजेक्ट में डा. छाछर कूड़ा प्रबंधन के माध्यम से तापमान कम करने के सुझाव देंगे, जिससे इसके लिए बेहतर नीति बन सके।

डा. वरुण ने बताया कि लगातार बढ़ते शहरीकरण की वजह से कूड़े के पहाड़ भी बढ़ रहे हैं। कूड़ा जलने से शहरी क्षेत्र का तापमान बढ़ता है। अर्बन हीट आइलैंड्स तब होते हैं, जब शहर प्राकृतिक भूमि के आवरण को फुटपाथ, इमारतों और अन्य सतहों को घनी सघनता से बदल देते हैं। इससे गर्मी बढ़ती है। खराब अपशिष्ट प्रबंधन शहरी पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक गर्म करने में योगदान देता है। इस दिशा में काम करने के लिए 'स्मार्ट शहरों के विशेष संदर्भ में उत्तर प्रदेश में नगर पालिकाओं के बेहतर पर्यावरण प्रबंधन में सार्वजनिक नीतियों की भूमिका' विषय पर प्रोजेक्ट मिला है। इसके तहत स्मार्ट सिटी से विभिन्न डेटा लेकर अध्ययन कर एक ऐसा नीतिगत ढांचा तैयार किया जाएगा, जिसे सभी स्मार्ट सिटी माडलों तक बढ़ाया जा सके।

कूड़ा प्रबंधन के संबंध में सुझाव भी दिए जाएंगे, ताकि इसे व्यवस्थित करने के लिए नगर निगम अच्छी नीति बना सके।

इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस : शहरी तापमान के बायोफिजिकल और सामाजिक परिणामों की जांच, स्मार्ट सिटी योजना में अपनाए जाने वाले शमन उपायों को स्केल करना, नवाचार, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों पर विशेष ध्यान व न्यूनीकरण तकनीकों का आकलन एवं मूल्यांकन, शहरी ताप तनाव के प्रबंधन में शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता निर्माण आदि।

### अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावनाओं पर होगा शोध

लवि अब पृथ्वी के अलावा अन्य ग्रहों पर बायोमालीक्यूल्स की उपस्थिति से जीवन की उत्पत्ति की संभावनाओं का पता लगाने के लिए शोध करेगा। इससे पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति की प्रारंभिक अनसुलझी कड़ियों को जोड़ने मदद मिलेगी। इसके लिए काउंसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी उत्तर प्रदेश ने लखनऊ विश्वविद्यालय की खगोल शास्त्र की एसोसिएट प्रोफेसर डा. अल्का मिश्रा को शोध प्रोजेक्ट दिया है। 'स्टडी आफ रियक्शन फिजिबिलिटी एंड इफेक्ट आफ मालीकुलर कैविटीज आन रियक्शंस इन कामेट्री एटमास्फेयर एंड इंटरस्टेलर स्पेस इन सर्च आफ एक्स्ट्राटैरेस्ट्रियल लाइफ' विषय पर तीन साल के शोध के लिए 10.44 लाख रुपये का अनुदान भी मिला है। डा. अल्का मिश्रा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत होने वाले अनुसंधान के माध्यम से इंटरस्टेलर मीडियम (तारों के मध्य पाया जाने वाला स्थान) में बायोमालिक्यूल्स के निर्माण की अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जाएगा। ऐसे अध्ययन से ब्रह्मांड के निर्माण, विकास और जीवन की उत्पत्ति को समझने मे भी मदद मिलती है।

### लवि की डा. किरण लता विकसित करेंगी 'मूक'

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के शिक्षा शास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. किरण लता डंगवाल मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स (मूक) तैयार करेंगी। यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय आनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम 'ओपन एजुकेशन फार बेटर वर्ल्ड (ओईएफबीडब्ल्यू)' में मूक तैयार करने के लिए उनका चयन किया गया है। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मुक्त शिक्षा की क्षमता का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। डा. डंगवाल ने बताया कि मूक को हरियाणा की डा. कविता बत्रा के साथ विकसित करेंगी। मूक की समन्वयक कोलकाता की प्रो. सुभा दास मौलिक व मेंटर इसहाक मुलोलनी हैं, जो कनाडा मे रेजिना विश्वविद्यालय मे कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स आज के डिजिटल युग मे समय की अनिवार्य आवश्यकता बन गए हैं। किसी के कौशल और ज्ञान को सीखने और बढ़ाने के लिए एक लचीला, लागत प्रभावी और सुलभ तरीका प्रदान करते हैं।

डा. किरण लता डंगवाल • सौ. स्वयं

**HINDUSTAN PAGE 8**

### ऑनलाइन कोर्स की डेवलपर बनीं डॉ. किरण लता

लखनऊ। एलयू के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. किरण लता डंगवाल को यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) के डेवलपर के रूप में चयनित किया गया है। डॉ. डंगवाल इस एमओओसी को हरियाणा की डॉ. कविता बत्रा के साथ बनाएंगी। जिसकी समन्वयक कोलकाता से प्रो. सुभा दास मोलिक व मेंटर कनाडा के रेजिना विश्वविद्यालय के इसहाक मुलोलानी हैं।

### ग्रहों पर जीवन की मौजूदगी पर शोध करेंगी प्रो. अल्का

लखनऊ। एलयू के खगोल शास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रो. अल्का मिश्रा को उत्तर प्रदेश विज्ञान व तकनीक विभाग द्वारा एक रिसर्च प्रोजेक्ट दिया गया है। प्रोजेक्ट के तहत इंटरस्टेलर मीडियम यानी तारों के बीच पाए जाने वाली जगह में बायोमॉलिक्यूलस के बनने की अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जाएगा। ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति की संभावनाओं को तलाशा जाएगा।

**PIONEER PAGE 3**

# जीवन उत्पत्ति की प्रारंभिक अनसुलझी कड़ियों को जोड़ेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

● खगोल शास्त्र की एसोसिएट प्रो. डॉ अल्का मिश्रा को मिला प्रोजेक्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ



लखनऊ विवि की खगोल शास्त्र की एसोसियेट प्रोफेसर डॉ अल्का मिश्रा को उत्तर प्रदेश के विज्ञान तथा तकनीक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण रिसर्च प्रोजेक्ट एवार्ड प्रदान किया गया है। यह प्रोजेक्ट क्षेत्र विशेष मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिको और अनुसंधानकर्ताओं को प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों में महत्वपूर्ण क्षेत्रों और बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। इसी तारतम्य में डा अल्का मिश्रा को स्टडी आफ रिएक्शन फैसबिल्टी एंड इफेक्ट आफ मोलेक्यूलर कैविटीज ऑन रिएक्शन इन कमेटरी एटमास्फियर एंड इंटरसेलर स्पेस इन सर्च आफ एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल लाइफ विषय पर अनुसंधान के लिए मिला है। इस प्रोजेक्ट को पूर्ण करने की अवधि तीन वर्ष है। इस प्रोजेक्ट के तहत होने वाले अनुसंधान के द्वारा इंटरस्टेलर मीडियम मे बायोमॉलिकियूलस के निर्माण की अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जायेगा। इंटरस्टेलर माध्यम में इन बायोमोलेक्यूल्स की उपस्थिति से अन्य ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति की संभावनाओं तथा पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति की प्रारंभिक अनसुलझी कड़ियों को जोड़ने मे मदद मिलेगी। इस प्रकार के अध्ययन से ब्रह्मांड के निर्माण, विकास और जीवन की उत्पत्ति को समझने में भी मदद मिलती है। धूमकेतुओं जो अपने और अपने वातावरण में अनेक कार्बनिक पदार्थ समाहित किये होते हैं, उसके अंदर होने वाली रासायनिक क्रियाओं पर भी शोध करी जाती है क्योंकि ये पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति के जनक माने जाते हैं।

### डॉ. किरण लता का यूनेस्को के एमओओसी डेवलपर के रूप में चयन

लखनऊ। लखनऊ विवि के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ किरण लता डंगवाल को यूनेस्को का अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स के डेवलपर के रूप में चयनित हुयी हैं। डा डंगवाल ने सतत प्रेरणा और मार्गदर्शन के कारण अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को दिया है।

उनकी ये कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मुक्त शिक्षा की क्षमता का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डॉ डंगवाल इस मॉक को हरियाणा की डॉ कविता बत्रा के साथ विकसित करेंगी। इस मॉक की समन्वयक कोलकाता से प्रो सुभा दास मोलिक व मेंटर इसहाक मुलोलानी हैं, जो कनाडा में रेजिना विवि से हैं।

**AMRIT VICHAR PAGE 4**

# महिला प्रोफेसरों ने बढ़ाया लविवि का मान

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : दो महिला प्रोफेसरों ने लखनऊ विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। यहां विश्वविद्यालय की खगोल शास्त्र की एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. अल्का मिश्रा को उत्तर प्रदेश के विज्ञान तथा तकनीक विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण रिसर्च प्रोजेक्ट अवार्ड प्रदान किया गया है। वहीं दूसरी विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. किरण लता डंगवाल को यूनेस्को का अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स के डेवलपर के रूप में चयनित किया गया है।

इस बारे में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नैक ए डबल प्लस मिलने के विश्वविद्यालय का प्रयास है कि गुणवत्ता बरकरार रहे। इसमें सभी शिक्षक अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

### इसलिए प्रो. अल्का मिश्रा को मिला अवार्ड



विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि खगोल शास्त्र की एसोसियेट प्रोफ़ेसर डॉ. अल्का मिश्रा अलौकिक जीवन की खोज में हास्य वातावरण और इंटरस्टेलर अंतरिक्ष में प्रतिक्रियाओं पर प्रतिक्रिया व्यवहार्यता और आणविक गुहाओं के प्रभाव का अध्ययन के लिए अवार्ड दिया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत होने वाले अनुसंधान के द्वारा इंटरस्टेलर मीडियम (तारों के मध्य पाया जाने वाला स्थान अर्थात अंतरतारकीय स्थान) में बायोमॉलिकियूलस के निर्माण की अभिक्रियाओं का अध्ययन किया जायेगा। इनटरस्टेलर माध्यम में इन बायोमोलेक्यूल्स की उपस्थिति से अन्य ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति की संभावनाओं तथा पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति की प्रारंभिक अनसुलझी कडियों को जोडने मे मदद मिलेगी। इस प्रकार के अध्ययन से ब्रह्मांड के निर्माण, विकास और जीवन की उत्पत्ति को समझने में भी मदद मिलती है।

### डॉ. किरण लता डंगवाल ने विश्वविद्यालय का बढ़ाया विदेश में मान



लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. किरण लता डंगवाल को यूनेस्को का अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन मेंटरिंग कार्यक्रम में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स के डेवलपर के रूप में चयन हुआ है। डॉ. डंगवाल ने सतत प्रेरणा और मार्गदर्शन के कारण अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को दिया है। उनका ये कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मुक्त शिक्षा की क्षमता का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डॉ. डंगवाल इस कोर्स को हरियाणा की डॉ. कविता बत्रा के साथ विकसित करेंगी। इस कोर्स की समन्वयक कोलकाता से प्रो. सुभा दास मोलिक व मेंटर इसहाक मुलोलानी हैं, जो कनाडा में रेजिना विश्वविद्यालय से हैं। मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स आज के डिजिटल युग में समय की अनिवार्य आवश्यकता बन गए हैं।

### उपलब्धि

- डॉ. अल्का मिश्रा को मिला रिसर्च प्रोजेक्ट अवार्ड
- डॉ. किरण लता डंगवाल का यूनेस्को मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स डेवलपर के रूप में हुआ चयन



विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शोध कार्य को प्रोत्साहन देते हुए परिसर मे अनेक नई योजनाएं प्रभावी तौर पर लागू की है जिससे पिछले तीन वर्षों मे प्रोजेक्ट की संख्या तथा बजट दोनों मे काफी बढोत्तरी दर्ज करी गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शोध कार्य शिक्षण प्रक्रिया का बेहद अहम अंग है जिसमे स्नातक छात्र छात्राओ को भी शोध कार्य से जोड़ा जाना है। ऐसे में शिक्षकों द्वारा विश्व स्तरीय शोधकार्य से जुडे रहना तथा रिसर्च प्रोजेक्ट लाना बेहद अहम है।

–प्रोफेसर पूनम टंडन, डीन अकादमिक लखनऊ विश्वविद्यालय

**THE PIONEER PAGE 2**

**AWARDED**

Alka Misra, an associate professor of astronomy at Lucknow University, has been given an important research project award by the department of Science and

**MOOC DEVELOPER**

Kiran Lata Dangwal, a faculty member of the department of education at Lucknow University, has been selected as a developer of a Massive Open Online Course (MOOC) in OE4BW, UNESCO's international online mentoring programme. Dangwal has credited Vice-Chancellor AK Rai for her achievement. The program is designed to harness the potential of open education to achieve the United Nations Sustainable Development Goals. Dangwal will be collaborating with Kavita Batra from Haryana to develop this MOOC, coordinator for which is Subha Das Mollick from Kolkata and the mentor is Isaac Mulolani from the University of Regina, Canada.

**RESEARCH**

A Lucknow University research carried out by Varun Chhachar on 'The role of public policies in better environmental management of municipalities' is a systematic study of the impact of urban heat on the daily life of urban residents. The study also throws light on making the urban local body an important stakeholder in mitigating the urban heat island effect. Chhachar said that through this project, a policy framework could be extended to all the smart city models. "It will help equip all members of the civil society with cost-effective methods to reduce the hardship caused by high temperatures. The project is aimed at building urban resilience to climate change and disaster risks," he said.

**VOICE OF LUCKNOW PAGE 6**

# लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजी कोर्सों से शुरू होगी ऑनलाइन पढ़ाई

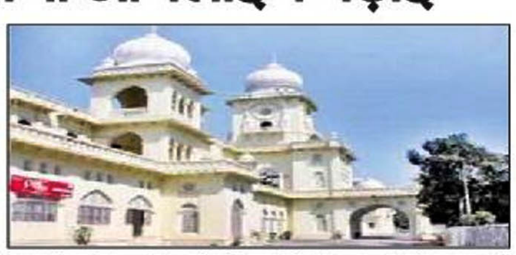

वरिष्ठ संवाददाता (vol)



लखनऊ। एलयू में ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के लिए प्रक्रिया जारी है। इसके तहत शुरूआत में स्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाएगी। जिसका कंटेंट भी तैयार किया जा रहा है। साथ ही स्टूडियो की स्थापना भी की जाएगी। कुलपति प्रो० आलोक कुमार राय ने ऑनलाइन कोर्सों की रूपरेखा तय करने और रणनीतियां बनाने के लिए कोऑर्डिनेटर प्रो० अमिता बाजपेयी को बनाया है। जल्द ही दूरस्थ शिक्षा भी एलयू में शुरू की जाएगी। डॉ० अमिता ने बताया कि शुरूआत में यूजी के ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जाएंगे। उसका कंटेंट तैयार किया जा रहा है।

स्टूडियो भी बनाया जाएगा: कोर्सों को शुरू करने के लिए अनुमति लेने की प्रक्रिया चल रही है। ऑनलाइन कोर्सों को शुरू करने के लिए स्टूडियो की भी जरूरत है। इसकी तैयारी भी चल रहा है। पूरा स्टाफ रखा जाएगा।

**TOI PAGE 3**

# LU faculty to help develop Unesco course

Lucknow: A faculty member at education department of the Lucknow University, Prof Kiran Lata Dangwal has been selected as a developer of Massive Open Online Course (MOOC) in UNESCO's international online mentoring programme.

The programme is designed to harness the potential of open education to achieve the United Nations Sustainable Development Goals. Dangwal will collaborate with Kavita Batra from Haryana to develop MOOC.

"Selection of our university's faculty for the prestigous programme is a testament to her outstanding scholarship, research, and commitment to education," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. TNN